>

Title: Need to construct the incomplete toilets made under the Swatchhata Abhiyan in Korba Parliamentary Constituency.

श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत (कोरबा) : सभापति महोदय, मैं ऊर्जा धानी कोरबा छत्तीसगढ़, लोक सभा से निर्वाचित हुई हूं । आपने मुझे इस सदन में पहली बार बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं ।... (व्यवधान) संपूर्ण सदन व विशेषकर सभी महिला सांसदों को मेरा सादर नमन है । मेरे क्षेत्र कोरबा जिले में 1,43,000 शौचालय बनाए गए हैं, जिसमें से 45,000 शौचालयों का उपयोग नहीं हो रहा है, क्योंकि वे आधे-अधूरे बने हैं । वहां पानी की कमी है, सेप्टिक टैंक और सेनीटेशन की सही सुविधा नहीं है और सिर्फ कागज़ी आंकड़ों से ही स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल किया गया है । महोदय, शौचालय का न होना बुरा है, किन्तु शौचालय आधा-अधूरा एवं असुरक्षित हो, तो वह और भी खतरनाक साबित हो सकता है । वे वायरस और बैक्टीरिया के ब्रीडिंग ग्राउंड बन सकते हैं, जो गंभीर बीमारियां फैला सकते हैं, जिससे इस स्वच्छता योजना का प्रभाव उल्टा भी पड़ सकता है ।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहती हूं कि क्या सरकार के पास यह जानकारी है कि आज कितने शौचालय चालू हालत में नहीं हैं? क्या वर्ष 2014 से अभी तक बने शौचालयों की मानीटरिंग और सोशल आडिट की कोई व्यवस्था की गई है? यदि नहीं की गई है, तो ऐसी स्थिति में स्वच्छ भारत की तस्वीर कैसे साकार होगी?